कॉमनवेल्थ देशों की शिक्षा पॉलिसी तय करेगा आईआईटी कानपुर

कानपुर | अमिषेक सिंह

कॉमनवेल्थ देशों की शिक्षा पॉलिसी तय करने में अब आईआईटी कानपुर भी मदद करेगा। यहां के वरिष्ठ प्रोफेसर टीवी प्रभाकर को कॉमनवेल्थ लर्निंग ऑर्गनाइजेशन का चेयरमैन (चेयर-प्रोफेसर) बनाया गया है। वह पहले भारतीय हैं, जिन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। कॉमनवेल्थ लर्निंग ऑर्गनाइजेशन में 55 देश शामिल हैं। इसे प्रमुख रूप से ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका व भारत बजट मुहैया कराते हैं।

कॉमनवेल्थ लर्निंग ऑर्गनाइजेशन (सीएलओ) भविष्य को देखते हुए शिक्षा में क्या बड़े बदलाव करने चाहिए और कौन सी चीज है जो पूरी तरह खत्म हो रही है, आदि तय करता है। इसमें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पाने के बाद आईआईटी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर टीवी प्रभाकर ने **आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान** से बात की। उन्होंने कहा कि जानकारी के मुताबिक वे देश से अकेले प्रतिनिधि होंगे। चेयरमैन का कार्यकाल फिलहाल तीन वर्ष का होता है लेकिन उन्हें एक साल के लिए चयनित किया गया है। भविष्य में कार्यकाल बढ़ेगा।

प्रो. प्रभाकर ने कहा कि वह ऑर्गनाइजेशन के साथ काफी समय से शिक्षा और तकनीक को लेकर कार्य कर रहे हैं। अब इन कार्यों को भविष्य की पॉलिसी में शामिल करने की प्रक्रिया की जाएगी। ऑर्गनाइजेशन 2030 में शिक्षा के भविष्य को देखते हुए तैयारी कर रहा है।

कॉमनवेल्थ देशों में शामिल हैं दुनिया के 55 देश : आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, कनाडा, कैमरून, फिजी, घाना, गुयाना, जमैका, केन्या, पाकिस्तान, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, यूगांडा, जिंबाबे, जाम्बिया, मलेशिया, ब्रूनी।

गर्व

- कॉमनवेल्थ लर्निंग ऑर्गनाइजेशन के चेयरमैन बने प्रो. टीवी प्रभाकर
- कम्प्यूटर साइंस विभाग के हैं वरिष्ठ प्रोफेसर, एक साल होगा कार्यकाल
- इस महत्वपूर्ण पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने प्रोफेसर प्रभाकर